
Kashyapakritam 2 Shiva Stotram

कश्यपकृतं २ शिवस्तोत्रम्

Document Information



Text title : Kashyapakritam 2 Shiva Stotram

File name : kashyapakRRitaM2shivastotram.itx

Category : shiva, brahmapurANa, stotra

Location : doc_shiva

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : brahmapurANa | adhyAya 124/94-99||

Latest update : October 1, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

October 1, 2024

sanskritdocuments.org



कश्यपकृतं २ शिवस्तोत्रम्



कश्यप उवाच ।

पाहि शङ्कर देवेश पाहि लोकनमस्कृत ।

पाहि पावन वागीश पाहि पन्नगभूषण ॥ ९४ ॥

पाहि धर्म वृषारूढ पाहि वेदत्रयेक्षण ।

पाहि गोधरलक्ष्मीश पाहि शर्व गजाम्बर ॥ ९५ ॥

पाहि त्रिपुरहन्नाथ पाहि सोमार्धभूषण ।

पाहि यज्ञेश सोमेश पाह्यभीष्टप्रदायक ॥ ९६ ॥

पाहि कारुण्यनिलय पाहि मङ्गलदायक ।

पाहि प्रभव सर्वस्य पाहि पालक वासव ॥ ९७ ॥

पाहि भास्कर वित्तेश पाहि ब्रह्मनमस्कृत ।

पाहि विश्वेश सिद्धेश पाहि पूर्ण नमोऽस्तु ते ॥ ९८ ॥

घोरसंसारकान्तारसञ्चारोद्विग्नचेतसाम् ।

शरीरिणां कृपासिन्धो त्वमेव शरणं शिव ॥ ९९ ॥

एवं संस्तुवतस्तस्य पुरतोऽभूद्बुधध्वजः ।

वरेण च्छन्दयामास कश्यपं तं प्रजापतिम् ॥ १०० ॥

इति ब्रह्मपुराणे चतुर्विंशधिकशततमाध्यायान्तर्गतं

कश्यपकृतं शिवस्तोत्रं समाप्तम् ।

ब्रह्मपुराण । अध्याय १२४/९४-९९ ॥

brahmapurANa . adhyAya 124/94-99..

Proofread by PSA Easwaran

——
Kashyapakritam 2 Shiva Stotram

pdf was typeset on October 1, 2024

——
Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

